रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर

33वें दीक्षांत समारोह के लिये स्वर्णपदक एवं शोध उपाधि धारकों के पंजीयन 28 दिसम्बर तक

जबलपुर 22 दिसम्बर। रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के 33 वें दीक्षांत समारोह समारोह के लिए स्वर्णपदक एवं शोध उपाधि धारकों की पंजीयन प्रक्रिया जारी है। इसके लिए सभी स्वर्णपदक एवं शोध उपाधि धारक 28 दिसम्बर 2021 तक अपना पंजीयन करा सकते हैं। उक्त निर्णय माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र की अध्यक्षता में बुधवार को आयोजित दीक्षांत समारोह आयोजन समिति की बैठक में लिया गया।

बैठक में माननीय कुलपति प्रो. कपिल देव मिश्र ने बताया कि विवि का 33वां दीक्षांत समारोह 12 जनवरी, 2022 को आयोजित होने जा रहा है। दीक्षांत समारोह के लिए स्वर्णपदक एवं शोध उपाधि धारकों हेतु पंजीयन प्रक्रिया जारी कर दी गयी है। इसमें स्वर्णपदक एवं शोध उपाधि धारक स्वयं उपस्थित होकर अपना पंजीयन करा सकते हैं। वे स्वर्णपदक एवं शोध उपाधि धारक जो विवि आने में असमर्थ हैं वे ऑनलाईन माध्यम से भी अपना पंजीयन करा सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए सभी स्वर्णपदक एवं उपाधि धारक रादुविवि दीक्षांत समारोह आयोजन समिति संयोजक प्रो. सुरेन्द्र सिंह के मोबाईल नम्बर 8989737697 पर सम्पर्क कर सकते हैं। बैठक में कुलसचिव प्रो. बृजेश सिंह, उपकुलसचिव डॉ. दीपेश मिश्र, मुख्य संयोजक संकायाध्यक्ष प्रो. सुरेन्द्र सिंह, प्रो. राकेश बाजपेयी, प्रो. धीरेन्द्र पाठक, परीक्षा नियंत्रक प्रो. एन.जी. पेण्डसे, प्रो. एस.एस. संधु, छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. विवेक मिश्र, सहायक कुलसचिव श्रीमती सुनीता देवड़ी, सुश्री मिनाल गुप्ता, सुश्री मोनाली सूर्यवंशी, श्री ओमप्रकाश यादव सहित अन्य मौजूद रहे।

'राष्ट्रीय गणित दिवस' का ऑनलाईन आयोजन
नई शिक्षा नीति में गणित को सरल बनाया गया है–कुलपति प्रो. मिश्र

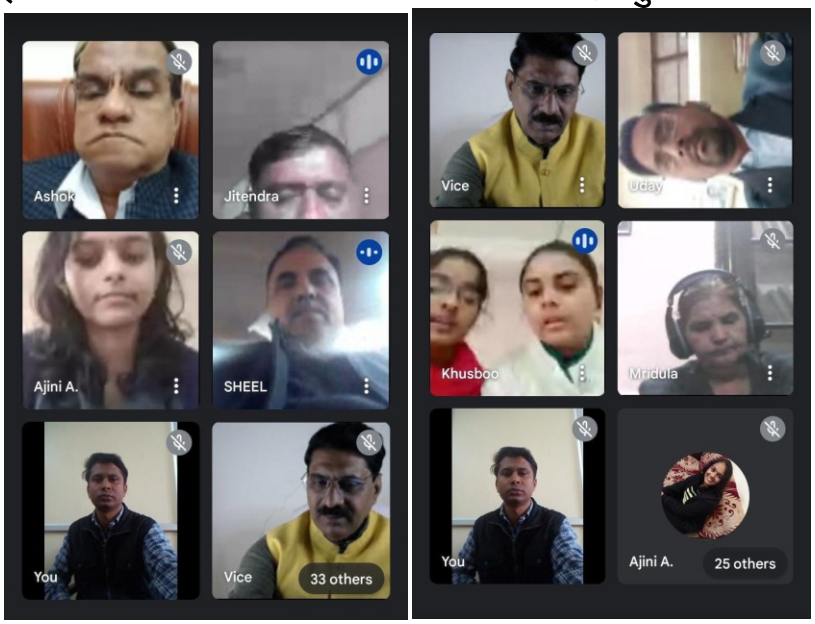

जबलपुर 22 दिसम्बर। रादुविवि में महान् गणितज्ञ श्रीनिवास रामा़नुजन जी की जयंती के अवसर पर आज गणित एवं कम्प्यूटर साइंस विभाग द्वारा माननीय कुलपति **प्रो. कपिल देव मिश्र** की अध्यक्षता, मान. **श्री अशोक कड़ेल**, निदेशक, म.प्र. हिन्दी ग्रंथ अकादमी, भोपाल के मुख्य आतिथ्य, संकायाध्यक्ष गणितीय विज्ञान प्रो. एस.एस. पाण्डेय एवं प्रो. मृदुला दुबे, निदेशक, यूआईसीएसए की विशेष उपस्थिति में 'राष्ट्रीय गणित दिवस' का **ऑनलाईन माध्यम** से आयोजन किया गया।

कार्यक्रम अध्यक्ष माननीय कुलपति प्रो. मिश्र ने महान् गणितज्ञ श्रीनिवास रामा़नुजन जी के जीवन पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डालते हुए कहा कि नई शिक्षा नीति में गणित को सरल बनाया गया है और अधिक से अधिक लोगों के मध्य जागरुकता बढ़ाने का कार्य किया है।

मुख्य अतिथि श्री अशोक कड़ेल ने विश्व के प्रसिद्ध गणितज्ञ श्रीनिवास रामा़नुजन जी के द्वारा दिए गए गणित के क्षेत्र में अतुलनीय योगदान के बारे में नई शिक्षा नीति के तहत पाठ्य–पुस्तकों में पढ़ने को मिलेगा। उन्होंने आगे बताया कि रामानुजन जी कहते थे कि गणित के ऐसे सूत्रों का कोई मतलब नहीं यदि उनसे आध्यात्मिक विचार न मिले एवं उनके द्वारा खोजे गए 'माक थीटा फंक्शन' की मदद से चिकित्सा के क्षेत्र में कैंसर के इलाज में सहायता मिल रही है।

प्रो. मृदुला दुबे ने 'मैथेमेटिक्स फार बेटर वर्ल्ड' पर अपने विचार रखे। संकायाध्यक्ष गणितीय विज्ञान प्रो. एस.एस. पाण्डेय ने 'द वैदिक कान्सेप्ट आफ जीरो' पर प्रकाश डाला।

संयोजक डॉ. जे.के. मैत्रा ने स्वागत भाषण दिया। कार्यक्रम का संचालन विभाग छात्रा अजिनी ए. वर्गीस ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन श्रीमती प्रतिभा डी. जय सिंह ने किया। इस अवसर पर डॉ. धीरेन्द्र कुमार, डॉ. रिषभ तिवारी, श्री संदीप चौरसिया, डॉ. जे. डब्ल्यू शरीफ सहित विभाग के लगभग 250 विद्यार्थियों की सहभागिता रही।